



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैतुल में सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया

आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त जबलपुर के निर्माण में मील का पथर साबित होगा संपत्ति विक्रय मेला : मंत्री श्री राकेश सिंह

जबलपुर(आरएनएस)। जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा आम नागरिकों को आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय वृहद संपत्ति विक्रय मेले का शनिवार को गुजराती मंडल भवन, सिविक सेंटर में भव्य शुभारंभ प्रदेश के लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम में शहर के जनप्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधि संस्थाओं के पदाधिकारियों, प्राधिकरण के अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।
कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सामूहिक राष्ट्रीगत ‘वंदे मातरम्’ के गायन के साथ हुआ। तत्पश्चात जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन, उपाध्यक्ष श्री प्रशांत केसरवानी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक के. व्ही. ने मंचासीन अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया।मेले को सबसे बड़ी विशेषता यह है कि नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने के स्थान पर एक ही स्थान पर संपत्तियों की जानकारी, उनके ले-आउट, नियम एवं शर्तों तथा आवेदन की प्रक्रिया को सुविधा मिल रही है। इसके साथ ही विभिन्न बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी से इच्छुक खरीदारों को ऋण संबंधी मार्गदर्शन भी प्राप्त हो रहा है। पारदर्शिता और सरलता के साथ नागरिकों को संपत्ति उपलब्ध कराने की यह व्यवस्था प्राधिकरण के प्रति आमजन का विश्वास मजबूत करेगी।

पत्नी की हत्या कर बिस्तर पेटी में जला दिया था शव, हैवान पति को कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

उज्जैन (आरएनएस)। पत्नी की हत्या कर शव को बिस्तर पेटी में जलाकर सबूत मिटाने वाले आरोपी पति को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मई 2023 में हुई इस वारदात में अदालत ने हत्या और साक्ष्य छिपाने के मामले में उसे दोषी ठहराया। पत्नी की नृशंस हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव को बिस्तर पेटी में रखकर जलाने वाले आरोपी पति को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।
चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार बंसल की कोर्ट ने आरोपी विजय परमार को हत्या और साक्ष्य छुपाने का दोषी पाते हुए यह फैसला सुनाया।पुलिस के अनुसार नरवर थाना क्षेत्र के ग्राम पालखंडा में किराना दुकान संचालित करने वाले आरोपी विजय परमार का अपनी पत्नी दीपाबाई से लंबे समय से विवाद चल रहा था। विवाद के चलते दीपाबाई ने देवास के सिविल लाइन थाने में पति के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला भी दर्ज कराया था और वह करीब आठ साल तक अपने मायके में रही थी। इसके बाद जुलाई 2021 में विजय उसके साथ समझौता करके उसे वापस अपने घर ले आया था लेकिन इसके बावजूद दोनों के बीच आए दिन मारपीट और विवाद होता रहता था। घटना 10 मई 2023 की रात की है, जब आरोपी विजय शराब के नशे में धुत होकर घर पहुंचा और पत्नी के साथ जमकर मारपीट की।

नकली दूध फैक्ट्री का अवैध निर्माण बुलडोजर से ध्वस्त, छह लाख की सरकारी जमीन मुक्त

मंदसौर,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले के शामगढ़ क्षेत्र के डूंगरखेड़ी गांव में शनिवार सुबह प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने नकली दूध बनाने वाली फैक्ट्री के अवैध निर्माण को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। शासकीय जमीन पर बने करीब 30म20 फीट के निर्माण को हटाकर प्रशासन ने जमीन अपने कब्जे में ले ली। निर्माण की बाजार कीमत करीब छह लाख रुपये आंकी गई है।पुलिस ने 28 अक्टूबर की रात फैक्ट्री पर छापा मारा था। पुलिस के पहुंचने से पहले फैक्ट्री संचालक भाई कृष्णपाल सिंह और शिवपाल सिंह, पिता बद्रीलाल, मौके से फरार हो गए थे। अगले दिन पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया था। फैक्ट्री गांव की नई आबादी में उनके घर और शासकीय जमीन पर संचालित हो रही थी।कार्रवाई के दौरान



पुलिस को मौके पर नकली दूध बनाने का प्लांट मिला था। वहां से पारस कंपनी के मिल्क पाउडर के छह कट्टे, 40 लीटर केमिकल, 40 लीटर तैयार दूध, पाम तेल के पांच डिब्बे और 2000 लीटर क्षमता का दूध टैंक जब्त किया गया था। इसके अलावा तोल कांटा, फ्रिज और मोटर भी बरामद हुई थी।खाद्य

सुरक्षा विभाग ने करीब 40 दिन पहले इसी स्थान से सैंपल लिए थे। लैब रिपोर्ट आने में देरी और कार्रवाई नहीं होने के बीच आरोपियों ने प्लांट दोबारा शुरू कर दिया था। सूचना मिलने पर जिला खाद्य अधिकारी धीरेंद्र सिंह जादौन, नायब तहसीलदार भीम सिंह खराड़ी, एसडीओपी दिनेश प्रजापति और थाना प्रभारी कपिल सौराष्ट्र टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे।शनिवार सुबह एसडीएम राहुल चौहान के निर्देश पर राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। करीब एक घंटे तक चली कार्रवाई में बुलडोजर से पूरा अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिया गया। इस दौरान तहसीलदार भीम सिंह खराड़ी, पुष्पाल सिंह, थाना प्रभारी कपिल सौराष्ट्र, कस्बा पटवारी मुकेश सालवी, 10 पटवारी, कोतवाल और पुलिस टीम मौजूद रही।

राजगढ़ में युवती से दुष्कर्म के दोषी को उम्रकैद, पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया
राजागढ़, (ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा में पदस्थ चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश अमजद अली की अदालत ने युवती से दुष्कर्म के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपित अशोक को दोषी करार दिया है। न्यायालय ने आरोपित को आजीवन कारावास की सजा सुनाने के साथ पांच हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी कर रहे शासकीय अधिवक्ता दिनेश साहू ने शनिवार को बताया कि घटना 17 जनवरी 2026 की है। पीड़िता 14 जनवरी को घर से मेला देखने गई थी। इसी दौरान आरोपित अशोक उसका पीछा करने लगा था।

त्यापार समाचार

सरकार का बड़ा फैसला: पेट्रोल निर्यात पर टैक्स किया खत्म, डीजल पर बढ़ाई गई एक्सपोर्ट इयूटी

नई दिल्ली(आरएनएस)। केंद्र सरकार ने पेट्रोल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को घटाकर शुन्य कर दिया है। साथ ही, डीजल और एविगेशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर विशेष निर्यात शुल्क में क्रमशः 3 रुपए प्रति लीटर और 0.50 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की है। यह जानकारी वित्त मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी अधिसूचना में दी गई।नई संशोधित दरों के मुताबिक, पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क अब शुन्य हो गया है, जो कि पहले 2.5 रुपए प्रति लीटर था। डीजल के निर्यात पर शुल्क बढ़कर 11.50 रुपए प्रति लीटर हो गया है, जो कि पहले 8.5 रुपए प्रति लीटर था। एटीएफ के निर्यात पर शुल्क को बढ़कर 11 रुपए प्रति लीटर कर दिया है, जो कि पहले 10.50 रुपए प्रति लीटर था। मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने और अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों बढ़ने के कारण मार्च के अंत में निर्यात शुल्क लागू किए गए थे। इसकी समीक्षा केंद्र सरकार द्वारा हर 15 दिन में दी जाती है। इसका उद्देश्य ऐसे समय

केंद्र ने विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर उच्च स्तरीय समिति का गठन किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। वित्त मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान के अनुसार, केंद्र ने भारत के बैंकिंग क्षेत्र की समीक्षा करने और इसे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी, वित्तीय रूप से समावेशी और 2047 तक विकसित भारत के लिए मजबूत बनाने हेतु एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। यह समिति आवश्यक संरचनात्मक, संस्थागत, नियामक और विधायी सुधारों की सिफारिश करेगी।

समिति की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय सतर्कता आयुक्त सुरेश एन. पटेल करेंगे, और इसमें आरबीआई के उप राज्यपाल शिरीष चंद्र मुर्मू, इंडियन बैंक की पूर्व मुख्य निदेशक और सीईओ पद्मजा चुंदुरु और आरबीआई के पूर्व उप राज्यपाल एनएस विश्वनाथन सदस्य होंगे। बयान में कहा गया है कि वित्तीय सेवा विभाग में बैंकिंग के संयुक्त सचिव इसके सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026–27 का केंद्रीय बजट पेश करते हुए विकसित भारत के लिए उच्च स्तरीय समिति के गठन की सरकार की योजना की घोषणा की थी।

कार्यक्षेत्र के अनुसार, समिति वर्तमान बैंकिंग प्रथाओं और विवेकपूर्ण मानदंडों का आकलन करेगी, वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करेगी और उन्हें भारतीय बैंकिंग प्रणाली के लिए उपयुक्त रूप से अपनाएगी, साथ ही वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बैंकों के निर्माण के लिए एक रोडमैप भी प्रदान करेगी।यह क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों सहित बैंकों के लिए मौजूदा नियामक और कानूनी ढांचों की समीक्षा करेगी और विकसित भारत के लिए दक्षता लाने और बैंकिंग को सुगम बनाने हेतु सुधारों का सुझाव देगी।समिति विकास वित्तीय संस्थानों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों सहित बैंकों की दीर्घकालिक पूंजी आवश्यकताओं का आकलन करेगी और ऋणा वृद्धि को समर्थन देने के लिए वित्तपोषण स्रोतों और सहायक तंत्रों पर सिफारिशें प्रस्तुत करेगी।



धनतेरस पर सोना या चांदी ? छोटे निवेशकों के लिए क्या है बेहतर विकल्प, जानिए फायदे और जोखिम

नई दिल्ली (आरएनएस)। रोशनी का पर्व दीपावली बस आने वाला ही है। इसकी शुरुआत धनतेरस से होती है, जो 6 नवंबर को पड़ रहा है। इस दिन लोग सोना और चांदी समेत कई कीमती धातुएं खरीदते हैं।

वहीं, धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदना केवल परंपरा नहीं, बल्कि निवेश का भी एक अहम माध्यम माना जाता है। हालांकि सीमित बजट वाले निवेशकों के सामने अक्सर यह सवाल होता है कि सोना खरीदें या चांदी। ऐसे में फैसला केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि बजट, जोखिम क्षमता और निवेश के लक्ष्य को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

सोना लंबे समय से संपत्ति सुरक्षित रखने (वेल्थ प्रिजर्वेशन) का सबसे भरोसेमंद माध्यम माना जाता है। इसकी मांग लगातार बनी रहती है और जरूरत पड़ने पर इसे आसानी से बेचा भी जा सकता है। हालांकि आभूषण खरीदने पर मेकिंग चार्ज और टैक्स अलग से देने पड़ते हैं, जिससे कुल लागत बढ़ जाती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, निवेश के नजरिए से गोल्ड कॉइन, गोल्ड बार, गोल्ड ईटीएफ और डिजिटल गोल्ड जैसे विकल्प ज्यादा व्यावहारिक माने जाते हैं। सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव आता है, लेकिन आमतौर पर यह चांदी की तुलना में कम अस्थिर माना जाता है।

वहीं, चांदी छोटे निवेशकों के लिए अधिक किफायती विकल्प हो सकती है। कम बजट में निवेशक ज्यादा मात्रा में चांदी खरीद सकते हैं। इसके अलावा सोलर एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक व्हीकल जैसे क्षेत्रों में बढ़ती औद्योगिक मांग चांदी को अतिरिक्त समर्थन देती है। हालांकि चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव सोने की तुलना में अधिक रहता है, क्योंकि इस पर निवेश मांग के साथ-साथ औद्योगिक गतिविधियों का भी प्रभाव पड़ता है। ऐसे में तेजी से मुनाफे के अवसर तो मिल सकते हैं, लेकिन जोखिम भी ज्यादा होता है।

ऐसे में बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आपका उद्देश्य संपत्ति सुरक्षित रखना और अपेक्षाकृत स्थिर निवेश है, तो सोना बेहतर विकल्प हो

में रिफाइनरों को घरेलू खरीदारों के मुकाबले विदेशी बाजारों को प्राथमिकता देने से रोकना है, जब वैश्विक स्तर पर कीमतें निर्यात के लिए बेहतर लाभ प्रदान कर रही हैं। अमेरिका और ईरान में तनाव बढ़ने और हॉर्मुज स्ट्रेट के बंद होने के कारण कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उछाल देखा जा रहा है। अब ब्रेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम बढ़कर 113.10 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। बीते एक हफ्ते में इसमें 1.55 प्रतिशत और बीते एक महीने में 15.71 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। वहीं, पिछले तीन महीनों में यह करीब 26 प्रतिशत बढ़ चुका है। संघर्ष शुरू होने से पहले, भारत के कच्चे तेल के आयात का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर आता था। यह एक प्रमुख समुद्री मार्ग है जो फारस की खाड़ी को वैश्विक बाजारों से जोड़ता है। इस रास्ते से होने वाले व्यापारिक जहाजों के आवागमन में बाधा आने के कारण, भारत को तेल मंगाने के लिए अन्य विकल्पों की तलाश करनी पड़ी है।



सकता है। वहीं यदि आपका बजट सीमित है, आप ज्यादा मात्रा में धातु खरीदना चाहते हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, तो चांदी पर विचार किया जा सकता है।

मौजूदा स्थिति में एक ओर दिलचस्प पहलू यह है कि सोना अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से करीब 25 प्रतिशत और चांदी लगभग 55 प्रतिशत तक नीचे आ चुकी है। ऐसे में कई निवेशक इसे खरीदारी का अवसर भी मान रहे हैं।

हालांकि विशेषज्ञों का मानना ​​है कि केवल धनतेरस के दिन एकमुश्त खरीदारी करने के बजाय निवेशकों को अपनी वित्तीय जरूरतों और समयावधि के अनुसार फैसला लेना चाहिए।

जो निवेशक शुद्धता, सुरक्षा और स्टोरेज की चिंता से बचना चाहते हैं, उनके लिए गोल्ड ईटीएफ और सिल्वर ईटीएफ जैसे विकल्प भी उपयोगी हो सकते हैं। इनमें फिजिकल धातु रखने की जरूरत नहीं होती और निवेश एक्सचेंज के माध्यम से किया जा सकता है।

सम्पादकीय



अभिव्यावित हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

असल सूरत की गलत त्यारब्या

सरकार और रेज़ीम एक ही चीज नहीं हैं। सरकार लोगों का एक समूह है, जिसके पास सत्ता होती है। जबकि रेज़ीम नियमों की वो व्यवस्था है, जिसके तहत सत्ता पाई जाती है और उसका संचालन होता है। वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने एक प्रेस कांफेंस में कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त विरोधी वर्तमान आंदोलन ‘रेज़ीम चेंज’ (शासन-तंत्र में परिवर्तन) के लिए है और इसमें कोई बुराई नहीं है। चूंकि उसके कुछ ही रोज पहले भूषण नेता विपक्ष राहुल गांधी के निवास पर एक बैठक में शामिल हुए थे, इसलिए भाजपा को इस बयान में कांग्रेस को घेरने का मौका नजर आया। यहां तक कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तक ने इस वक्तव्य को देश में अराजकता फैला कर सत्ता प्राप्त करने की कांग्रेस की कोशिश का प्रमाण बताया। कांग्रेस ने इसका जवाब यह कह कर दिया कि लोकतंत्र में विपक्ष का काम ही सरकार को बेनकाब करना, विरोध करना और उसे पद से हटाने की कोशिश करना है।मगर राजनीति-शास्त्र के नजरिए से देखें, तो सरकार और शासन-तंत्र एक ही चीज नहीं हैं। इसके मुताबिक सरकार लोगों का एक खास समूह है, जिसके हाथ में सत्ता होती है। जबकि रेज़ीम (शासन-तंत्र) नियमों की वह व्यवस्था है, जिनके जरिए सत्ता हासिल की जाती है और उसका संचालन किया जाता है। इस अर्थ में देखें तो नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा का 2014 में सत्ता में आना रेज़ीम चेंज साबित हुआ है। मोदी तब स्थापित या प्रचलित कायदों के जरिए सत्ता में जरूर आए, लेकिन उनकी सरकार ने सत्ता संचालन की रवायत, संदर्भ बिंदु और अनेक कायदों को बदल डाला है।

एक समझ है यह कि ऐसा कर चुकने के बाद वह सत्ता प्राप्त करने के कायदों को बदलने में जुटी हुई है। धारणा बनी है कि निर्वाचन आयोग इसी मकसद को लागू करने की एजेंसी बन गया है। फिलहाल छिड़ा सियासी आंदोलन इसी शिकायत से उपजा है। अतः ताजा बहस में मुद्दा है कि क्या मोदी विरोधी इस आंदोलन के जरिए पुरानी रवायतों को वापस लाने की बात कर रहे हैं या कोई नई व्यवस्था थोपना चाहते हैं? अगर नई व्यवस्था की बात नहीं है (जैसाकि प्रथम दृष्टि में दिखता है), तो वे असल में रेज़ीम चेंज के बजाय रेज़ीम बहाली की बात कर रहे हैं। इसे अराजकता या संवैधानिक दायरे से बाहर बताना संभवतः असल सूरत की गलत व्याख्या है।

गौरवशाली अतीत, विकासशील वर्तमान और समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश



डॉ. मोहन यादव

मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, समृद्ध परंपराओं, विकास यात्रा और सामूहिक संकल्पों का उत्सव है। 1 नवंबर 1956 को अस्तित्व में आए हमारे मध्यप्रदेश ने सात दशकों में अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं। प्राकृतिक दायरा, नदियां, वनों, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक स्थलों, जनजातीय संस्कृति और मेहनतकश नागरिकों से समृद्ध यह प्रदेश आज देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भगवान श्रीमहाकाल की नगरी उज्जैन, मां नर्मदा की पवन धारा, सांची का विश्व-विख्यात स्तूप, खजुराहो की अद्भुत स्थापत्य कला, भीमबेटका की ऐतिहासिक विरासत और जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराएं हमारी पहचान हैं। मध्यप्रदेश की यही विविधता हमारी शक्ति है। आज हमारा लक्ष्य इस विरासत को संरक्षित रखते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करना है।वर्ष 2026 को हम किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। इसी भावना के साथ इस वर्ष मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की मूल भावना समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश है। हमारा विश्वास है कि किसान खुशहाल होगा तो गांव समृद्ध होंगे और गांव समृद्ध होंगे तो मध्यप्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ेगा। मध्यप्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। हमारे किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। किसानों की आय में वृद्धि, कृषि को लाभकारी बनाना और खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए किसान कल्याण को लेकर राज्य सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है।हम सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, कृषि अधोसंरचना के विकास, प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि यंत्रों, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। खेती के साथ उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसी गतिविधियों को जोड़कर किसानों के लिए आय के अतिरिक्त अवसर विकसित किये जा रहे हैं। हमारा संकल्प है कि किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और समृद्ध भी बने। किसान की समृद्धि ही मध्यप्रदेश की समृद्धि का वास्तविक आधार है। युवा किसी भी प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। मध्यप्रदेश के युवाओं में प्रतिभा, परिश्रम, ऊर्जा और नवाचार की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण, तकनीकी शिक्षा और रोजगारोन्मुखी कौशल से जोड़ना आवश्यक है। खेलों के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। आधुनिक खेल मैदान, प्रशिक्षण सुविधाएं और खेल अधोसंरचना युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करेगी।हम चाहते हैं कि मध्यप्रदेश का युवा नौकरी पाने वाला ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला उद्यमी और समाज का नेतृत्व करने वाला



व्यक्तित्व भी बने। महिलाओं की भागीदारी के बिना विकास की कल्पना अधूरी है। हमारी सरकार महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। स्व-सहायता समूहों, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण और महिला उद्यमिता के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हमारा मानना ​​है कि जब महिला आत्मनिर्भर बन्ती है तो पूरा परिवार सशक्त होता है। इसलिए महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की भागीदार और नेतृत्वकर्ता बनाना हमारा संकल्प है।आज दुनिया तेजी से तकनीक और नवाचार के माध्यम से आगे बढ़ रही है। मध्यप्रदेश के युवाओं के विचारों को उद्यम में बदलने के लिए स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।हमारा प्रयास है कि युवाओं को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, निवेश के अवसर और अनुकूल व्यावसायिक वातावरण मिले। कृषि तकनीक, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप के लिए अपार संभावनाएं हैं।मध्यप्रदेश को नवाचार और उद्यमिता का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के युवा अपने नए विचारों से न केवल स्वयं आगे बढ़ें, बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करें। शिक्षा किसी भी समाज के परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। सांदीपनि विद्यालयों की परिकल्पना प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इन विद्यालयों के माध्यम से आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं, योग्य शिक्षकों, बेहतर अधोसंरचना और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। हम चाहते हैं कि गांव और शहर के बच्चों को समान रूप से उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त हो। शिक्षा के साथ संस्कार, खेल, विज्ञान, तकनीक और रचनात्मक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिले। आज के विद्यार्थी ही विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत के भविष्य के निर्माता हैं। विकास के लिए शांति और सुरक्षा का वातावरण अनिवार्य है। हमारी सरकार कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने और अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर प्रतिबद्ध

विकसित राष्ट्र की परिकल्पना और शिक्षा,तकनीकी ज्ञान की पृष्ट-भूमी।

संजीव ठाकुर

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी कक्षाओं में लिखा जाता है। यह कथन केवल एक आदर्श वाक्य नहीं, बल्कि इतिहास का प्रमाणित सत्य है। जिस राष्ट्र ने शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी ज्ञान को अपनाया, वही विश्व के नेतृत्वकर्ता राष्ट्रों में शामिल हुआ। भारतवर्ष की सनातन संस्कृति भी इस सत्य की साक्षी रही है। यहाँ शिक्षा को केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास का आधार माना गया। वैदिक काल से लेकर आधुनिक भारत तक ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी कौशल ने राष्ट्र की शक्ति, समृद्धि और वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों प्रदान की हैं।

उपनिषदों का उद्घोष सा विद्या या विमुक्तये तथा तमसो मा ज्योतिर्गमय यह स्पष्ट करता है कि शिक्षा मनुष्य को अज्ञान से ज्ञान, निर्बलता से सामर्थ्य और पराधीनता से आत्मनिर्भरता की ओर ले जाती है। यही कारण है कि प्राचीन भारत में गुरुकुल शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं थी, बल्कि उसमें चरित्र निर्माण, नैतिकता, कृषि, आयुर्वेद, शिल्प, युद्धकला, राजनीति, अर्थशास्त्र, खगोल विज्ञान और समाज व्यवस्था का भी समावेश था।



प्राचीन भारत : विश्व का ज्ञान केंद्र

भारत में तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, वल्लभी और कांचीपुरम जैसे विश्वविद्यालय विश्वभर के विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र थे। चीन, कोरिया, तिब्बत, श्रीलंका तथा दक्षिण-पूर्व एशिया से विद्यार्थी भारत में शिक्षा प्राप्त करने आते थे। यहाँ गणित, चिकित्सा, धातुकर्म, दर्शन, भाषा

विज्ञान, न्यायशास्त्र, अर्थशास्त्र और स्थापत्य कला का उच्च अध्ययन कराया जाता था। आर्यभट्ट ने शून्य और दशमलव पद्धति को नई दिशा दी, वराहमिहिर ने खगोल विज्ञान को समृद्ध किया, सुश्रुत ने शल्य चिकित्सा को वैज्ञानिक आधार दिया तथा चरक ने आयुर्वेद को व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया। यह उपलब्धियाँ प्रमाण हैं कि भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण साथ-साथ विकसित हुए।

अर्थशास्त्र और शिक्षा का संबंध

आचार्य चाणक्य ने अपने महान ग्रंथ अर्थशास्त्र में स्पष्ट कहा कि किसी राज्य को वास्तविक शक्ति उसके शिक्षित नागरिक, योग्य प्रशासक और सुदृढ़ आर्थिक तंत्र में निहित होती है। उनके अनुसार शिक्षा, अनुशासन और दक्ष प्रशासन के बिना कोई भी राज्य लंबे समय तक समृद्ध नहीं रह सकता।विश्वप्रसिद्ध अर्थशास्त्री एडम स्मिथ ने लिखा कि किसी राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति उसके नागरिकों की दक्षता और उत्पादक क्षमता होती है। आधुनिक अर्थशास्त्र में इसे मानव पूंजी कहा गया है। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री थियोडोर डब्ल्यू. शूल्ट्ज ने सिद्ध किया कि शिक्षा पर किया गया निवेश किसी भी अन्य निवेश की तुलना में अधिक लाभ देता है। इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए गैरी बेकर ने मानव

पूंजी सिद्धांत विकसित किया और बताया कि शिक्षित समाज अधिक उत्पादन करता है, नवाचार करता है तथा आर्थिक विकास को तीव्र गति प्रदान करता है। भारतीय अर्थशास्त्री एवं नोबेल पुरस्कार विजेता ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक डेवलपमेंट एस फ्रीडम में लिखा कि विकास केवल आय बढ़ाने का नाम नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसरों की समान उपलब्धता ही वास्तविक विकास का आधार है। शिक्षा और तकनीकी ज्ञान : आधुनिक भारत की आवश्यकताइकोनवीं सदी ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की सदी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी, क्रांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष अनुसंधान, साइबर सुरक्षा और डिजिटल अर्थव्यवस्था भविष्य की दिशा तय कर रहे हैं। आज जिन देशों ने अनुसंधान एवं विकास में निरंतर निवेश किया है, वे विश्व की आर्थिक महाशक्ति बने हुए हैं। जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, अमेरिका और इज़राइल इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। इन देशों ने प्राकृतिक संसाधनों से अधिक मानव संसाधनों के विकास पर बल दिया।भारत की डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा और तकनीकी विकास को नई दिशा दे रहा है।

भारत की आर्थिक दिवाली या दुनियाँ में मंदी का महाजाल? विश्व बैंक की 50 करोड़ लोगों की गरीबी मुक्ति रिपोट



एडवोकेट किशन सनमुखदास

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर दीपावली केवल दीपों,खुशियों और समृद्धि का पर्व नहीं है,बल्कि यह अंधकार पर प्रकाश,निराशा पर आशा और संकट पर संकल्प की विजय का प्रतीक भी है।वर्ष 2026 की दीपावली ऐसे समय में आ रही है,जब भारतीय अर्थव्यवस्था एक ओर गरीबी उन्मूलन,हरित ऊर्जा,घरेलू उपभोग,मुक्त व्यापार समझौतों और आर्थिक सुधारों की नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ रही है,वहीं दूसरी ओर वैश्विक भू- राजनीतिक तनाव,मंहंगे कच्चे तेल,चीन के शेयर बाजार की कमजोरी और अमेरिका की अनिश्चित नीतियां विश्व अर्थव्यवस्था के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर रही हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि,इसलिए इस बार भारतीय निवेशकों और आम नागरिकों के लिए सबसे बड़ा संदेश है कि आर्थिक उपलब्धियों का उत्सव अवश्य मनाएं, लेकिन वैश्विक जोखिमों को नजरअंदाज करके वित्तीय निर्णय न लें।इस दीपावली हमारा संकल्प होना चाहिए,आर्थिक आत्मनिर्भरता निवेश में विवेक,ऊर्जा में स्वावलंबन, रोजगार में गुणवत्ता और विकास में समानता।क्योंकि असली समृद्धि वह नहीं जो केवल शेयर बाजार में चमके, बल्कि वह है जिसकी रणनीति देश के अंतिम नागरिक के घर तक पहुंचे। 29 अक्टूबर को राष्ट्रीय समेलन में मुख्य आर्थिक सलाहकार वि.अनंत नागेश्वरन ने कहा कि वर्ष 2026 भारत के लिए 1991 जैसा महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। उनका आशय 1991 जैसी भुगतान संतुलन की आपातस्थिति से नहीं, बल्कि बदलती वैश्विकआर्थिक व्यवस्था में भारत को अपनी रणनीति बदलने की आवश्यकता से था। उन्होंने आयात प्रतिस्थापन,घरेलू विनिर्माण,निर्यात प्रतिस्पर्धा और महत्वपूर्ण संसाधनों में रणनीतिक आत्मनिर्भरता पर जोर दिया।आप सभी को दीपावली की हार्दिक

शुभकामनाएं !

साथियों बात अगर हम गरीबी उन्मूलन की ऐतिहासिक उपलब्धि :49.6 करोड़ लोगों के जीवन में बदलाव को समझने की करें तो इस दीपावली भारत के लिए सबसे उत्साहजनक समाचार विश्व बैंक की 30 अक्टूबर 2026 को चर्चा में आई अक्टूबर की इंडिया पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रिफ रिपोर्ट है। इसके अनुसार वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में लगभग 49.6 करोड़ लोग प्रतिदिन 4.20 डॉलर की निम्न-मध्यम आय वाले देशों की अंतरराष्ट्रीय गरीबी सीमा से ऊपर आए। इस मानक पर गरीबी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया वहीं तीन डॉलर प्रतिदिन के अत्यधिक गरीबी मानक पर गरीबी 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत हुई। दोनों आंकड़े 2021 की क्रयशक्ति समता यानी पीपीपी पर आधारित हैं। यह उपलब्धि घरेलू उपभोग, रोजगार में वृद्धि,ग्रामीण महिलाओं की बढ़ती कार्य भागीदारी और खाद्यान्न सस्मिदी जैसे सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों से जुड़ी है।वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ की वृद्धि भी दर्ज की गई।इसका वैश्विक संदेश स्पष्ट है कि भारत का विशाल घरेलू बाजार निवेश और उत्पादन के लिए आकर्षक बन रहा है। लेकिन इस उपलब्धि के साथ विश्व बैंक ने आय की असमानता भी रेखांकित की है। शीर्ष 10 प्रतिशत और निचले 10 प्रतिशत के बीच आय का अंतर लगभग 13 गुना है। इसलिए गरीबी से बाहर निकलने के बाद आगली चुनौती गुणवत्तापूर्ण रोजगार,बेहतर वेतन,शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थायी आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है।केवल गरीबी का आंकड़ा घटना पर्याप्त नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार की वास्तविक क्रयशक्ति बढ़ना भी आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम हरित हाइड्रोजन के 23 अनुबंध: भारत की ऊर्जा कूटनीति को नई ताकत को समझने की करें तो,भारत की दूसरी बड़ी उपलब्धि राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत सामने आई है।नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की 29 अक्टूबर की जानकारी के अनुसार 2023 में मिशन शुरू होने के बाद भारतीय कंपनियों ने कुल 23 ऑफोर्टेक अनुबंध किए हैं, जिनकी प्रतिबद्धता लगभग 5,55, 610 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष हरित हाइड्रोजन समतुल्य है। इनमें 2026 के दौरान 18 नए समझौते हुए हैं और 70 प्रतिशत से अधिक मात्रा निर्यात के लिए निर्धारित है। इन परियोजनाओं से लगभग 90,000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है।जापान,दक्षिण कोरिया और यूरोपीय बाजारों के साथ ग्रीन अमोनिया तथा ग्रीन मथेनॉल के समझौते भारत को स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण स्थान दिला सकते हैं।इससे विदेशी मुद्रा अर्जन, रोजगार,तकनीकी निवेश, औद्योगिक विकास और ऊर्जा कूटनीति को मजबूती मिलेगी।हालांकि ध्यान रहे कि ये खरीद-आपूर्ति प्रतिबद्धताएं हैं,पूरी हो चुकी उत्पादन उपलब्धियां नहीं।परियोजनाओं का समय पर निर्माण, सस्ती नवीकरणीय बिजली, जल उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी उत्पादन लागत ही इन समझौतों को वास्तविक आर्थिक सफलता में सटीकता से बदलेंगे।

पान मसाला विज्ञापन विवाद: एफडीए नोटिस के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंचे अजय देवगन



मुंबई, (आरएनएस)। पान मसाला ब्रांड से जुड़े इलायची विज्ञापन के मामले में अभिनेता अजय देवगन ने बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया है। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने उन्हें सरोगेट विज्ञापन (अप्रत्यक्ष प्रचार) के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसे अजय ने चुनौती दी है। एफडीए का कहना है कि ये विज्ञापन अप्रत्यक्ष रूप से पान मसाला को बढ़ावा देता है। वकील पराग कंधार के माध्यम से दायर इस याचिका पर 4 नवंबर को सुनवाई होगी। महाराष्ट्र एफडीए ने विमल इलायची के विज्ञापन को लेकर अजय देवगन, शाहरुख खान और टाइगर श्रॉफ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नियामक संस्था का आरोप है कि इलायची का यह प्रचार असल में ब्रांड के पान मसाला का अप्रत्यक्ष रूप से विज्ञापन है, जो खाद्य सुरक्षा कानूनों का उल्लंघन हो सकता है।अब अजय ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक नियमों के तहत एफडीए के इस नोटिस को बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी है।अजय की याचिका पर बॉम्बे हाई कोर्ट 4 नवंबर को सुनवाई करेगा। हालांकि, कोर्ट ने एफडीए की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं लगाई है, जिससे कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी।इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने अभिनेताओं की अर्जी खारिज करते हुए मामला महाराष्ट्र की अदालतों के अधिकार क्षेत्र में बताया था।बता दें, 14 अगस्त को एफडीए ने अजय देवगन (जुहू), शाहरुख खान (मन्नत) और टाइगर श्रॉफ (टाइगर श्रॉफ प्रोडक्शंस) को नोटिस भेजकर जवाब मांगा था।

दिल्ली में जूता कारखाने में आग लगने से 4 की मौत, 2 गंभीर घायल

नईदिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली के मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक जूते के कारखाने में शुक्रवार रात भीषण आग लग गई। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 लोगों की हालत गंभीर है। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। करीब 3 घंटे की कड़ी मशक़त के बाद आग पर काबू पाया गया। बचावकर्मियों ने बताया कि सभी 6 लोग कारखाने के भीतर बेहोश अवस्था में मिले थे। पुलिस ने बताया कि रात 9:32 बजे औद्योगिक क्षेत्र में आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद दिल्ली अग्निशमन सेवा ने 20 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजीं। सभी 6 पीड़ितों को तत्काल इलाज के लिए मंगोलपुरी के संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया। 6 में से 4 को अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया गया, जबकि बाकी 2 का इलाज चल रहा है। दोनों की हालत गंभीर है। दमकल अधिकारी एडीओ पारस कुमार ने कहा, यह जूते बनाने का कारखाना है। यहां जूते बनाए और रखे जाते हैं। आग सबसे पहले तहखाने में लगी। हमने आग को तहखाने तक ही सीमित कर लिया और उसे आगे फैलने से रोका। हमने एक व्यक्ति को तीसरी मंजिल की सीढ़ियों से निकासी और 5 अन्य को चौथी मंजिल से बचाया। आग पूरी तरह बुझा दी गई है और शीतलन प्रक्रिया जारी है।

थेनी जेल ब्रेक कांड पर CM विजय का बड़ा एक्शन, डिप्टी जेल सुपरिटेडेंट बर्खास्त, 17 कर्मचारी निलंबित

चेन्नई (आरएनएस)। तमिलनाडु के थेनी जिला उप-जेल से 17 कैदियों के नाटकीय ढंग से फरार होने के सनसनीखेज मामले में मुख्यमंत्री थलपति विजय के नेतृत्व वाली सरकार ने बेहद सख्त और बड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। सुरक्षा में भारी चूक और घोर लापरवाही को लेकर राज्य सरकार ने थेनी जिला जेल के डिप्टी सुपरिटेडेंट एन. रामलिंगम को तत्काल प्रभाव से सरकारी सेवा से बर्खास्त कर दिया है। इसके साथ ही ड्यूटी पर तैनात जेल के 17 अन्य कर्मचारियों को भी निलंबित कर दिया गया है और उन सभी के खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने के आदेश दिए गए हैं। एक सप्ताह के भीतर तमिलनाडु की दो अलग-अलग जेलों से कैदियों के भागने की घटनाओं के सामने आने के बाद सरकार ने पूरे जेल प्रशासनिक ढांचे में बड़े पैमाने पर फेरबदल भी शुरू कर दिया है।

सुरक्षा निगरानी में लापरवाही पर गिरी गाज, जेल DGP का भी हुआ तबादला

समाचार एजेंसी के अनुसार, बर्खास्त डिप्टी सुपरिटेडेंट एन. रामलिंगम अगस्त 2024 से थेनी जिला जेल में पदस्थ थे। जेल के संचालन, कर्मचारियों की तैनाती और सुरक्षा मानकों की निगरानी में उनकी गंभीर विफलता सामने आने के बाद उन्हें नौकरी से बर्खास्त करने का कड़ा फैसला लिया गया। इससे पहले गुरुवार की ही सरकार ने जेल एवं सुधार सेवाओं के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) डॉ. संदीप राय राठौड़ का भी तबादला कर दिया था। मुख्यमंत्री ने राज्य भर की सभी केंद्रीय और जिला जेलों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने, आधुनिक सर्विलांस तकनीक बढ़ाने और निगरानी के पुख्ता इंतजाम तत्काल प्रभाव से सुनिश्चित करने के निर्देश जारी

उमर अब्दुल्ला की पार्टी में बगावत ? मंत्रिमंडल विस्तार से दर्जनों विधायक नाराज, गुप्त बैठक की

श्रीनगर, (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर की सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस में अंदरूनी असंतोष उभरकर सामने आया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व को लेकर पार्टी के विधायकों के बीच नाराजगी बढ़ती जा रही है। खबरों के मुताबिक, पार्टी के करीब दो दर्जन विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। हाल ही में 21 नाराज विधायकों ने पूर्व मंत्री एवं विधायक कैसर जमशेद लोन के आवास पर बैठक कर मंत्रिमंडल में व्यापक फेरबदल की मांग उठाई। बैठक में विधायकों ने निर्णय लिया कि वे नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला से मुलाकात कर अपनी नाराजगी और मांगों से अवगत कराएंगे। इसके लिए विधायक नजीर अहमद गुरेजी की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। यह समिति जल्द ही फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मिलकर प्रस्ताव साँपेगी। नाराज विधायकों की प्रमुख मांगों में मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी को पद से हटाना और मंत्रिमंडल में व्यापक फेरबदल करना शामिल है। विधायकों ने मंत्रियों के बीच विभागों की जिम्मेदारियों का नए सिरे से बंटवारा करने की भी मांग की है। इसके अलावा उनका कहना है कि जिन मंत्रियों को पद संभाले दो वर्ष हो चुके हैं, उन्हें मंत्रिमंडल से हटाकर नए चेहरों को मौका दिया जाना चाहिए।



किए हैं।

मिर्गी का नाटक कर बैरक खुलवाई, गार्ड को बंधक बनाकर छिनी चाबियां

रामलीला मैदान रैली: 250 कैमरे और 3,500 जवान रखेंगे नजर, सुरक्षा के सख्त इंतजाम

नई दिल्ली, (आरएनएस)। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन इंडिया की ओर से 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली आयोजित की जाएगी। रैली में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास के क्षेत्रों में निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत लगभग 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इनके माध्यम से कार्यक्रम स्थल की चौबीसों घंटे निगरानी की जाएगी।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, रैली के दौरान भीड़ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए विशेष नियंत्रण कक्ष बनाए गए हैं। यहां कैमरों से प्राप्त सीधी तस्वीरों की निगरानी की जाएगी, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अप्रिय स्थिति को जानकारी तत्काल मिल सके और समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा पुलिसकर्मी शरीर पर लगाए जाने वाले कैमरों का इस्तेमाल करेंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से लैस कैमरों की मदद से मैदान के भीतर और आसपास चेहरों की पहचान और निगरानी की



व्यवस्था भी की गई है।

सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए पूरे रामलीला मैदान को 14 क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक क्षेत्र की जिम्मेदारी सहायक पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी को सौंपी गई है। इन 14 क्षेत्रों को आठ क्षेत्रीय समूहों में बांटा जाएगा, जिनकी निगरानी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी करेंगे। मैदान के भीतर और आसपास केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों सहित लगभग 3,500



दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की।

पंजाब विधानसभा चुनाव: आम आदमी पार्टी ने 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, भगवंत मान धुरी से लड़ेंगे चुनाव

चंडीगढ़, (आरएनएस)। पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में सभी 40 उम्मीदवार वर्तमान विधायक हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान एक बार फिर धुरी विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतरेंगे। इससे पहले उनके निर्वाचन क्षेत्र में बदलाव किए जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन पार्टी ने उन्हें धुरी से ही उम्मीदवार घोषित किया है।

उम्मीदवारों की सूची जारी करने से पहले पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास पर पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक हुई। बैठक में चुनावी रणनीति और उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की गई। इसके बाद पार्टी ने अपनी पहली सूची सार्वजनिक की।



सूची में जेल में बंद मंत्री संजीव अरोड़ा को भी उम्मीदवार बनाया गया है। उन्हें लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा अमृतसर दक्षिण से डॉ. इंंदरबीर सिंह निज्जर, तरनतारन से हरमीत सिंह संधू, अजनाला से कुलदीप सिंह धालीवाल, एसएस नगर से कुलवंत सिंह, होशियारपुर से ब्रह्म शंकर शर्मा जिंजा और फतेहगढ़ साहिब से लखबीर सिंह राय को उम्मीदवार घोषित किया गया है। गौरतलब है कि पंजाब में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। राज्य की कुल 117 विधानसभा सीटों पर चुनाव होना है। वर्तमान में इनमें से 94 सीटों पर आम आदमी पार्टी के विधायक हैं। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 117 में से 92 सीटों पर जीत दर्ज कर राज्य में पहली बार अपनी सरकार बनाई थी। इसके बाद भगवंत मान ने मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली थी। आगामी चुनाव में आम आदमी पार्टी के सामने लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी की चुनौती होगी। वहीं, राज्य में कानून-व्यवस्था, नशे की समस्या, बेरोजगारी और आर्थिक स्थिति जैसे मुद्दे चुनाव के दौरान महत्वपूर्ण रह सकते हैं। इन विषयों पर विपक्षी दलों की ओर से भी सरकार को घेरने की तैयारी की जा रही है। ऐसे में उम्मीदवारों की पहली सूची जारी होने के बाद पंजाब की राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर CM उमर अब्दुल्ला ने पत्रकार निधि राजदान से किया निकाह, सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कर दी जानकारी



श्रीनगर(आरएनएस) जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और जानी-मानी वरिष्ठ पत्रकार निधि राजदान एक निजी समारोह में शादी के बंधन में बंध गए हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ (X) पर शादी की खूबसूरत तस्वीरें साझा करते हुए इस नए सफर की औपचारिक जानकारी दी। तस्वीरों के साथ अंगूठी की इमोजी साझा करते हुए उन्होंने निधि राजदान को टैग किया और लिखा कि कल से एक नई खूबसूरत यात्रा की शुरुआत हुई है। राजनीति और मीडिया जगत के दो बेहद चर्चित चेहरों के इस परिणय सूत्र में बंधने के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर चारों तरफ से बधाइयों का तांता लग गया है।

दोनों के जीवन का दूसरा अध्याय, लंबे समय बाद हुआ तलाक यह दोनों ही शिखियतों के जीवन की दूसरी शादी है। भारतीय राजनीति के प्रमुख चेहरों में शुमार 54 वर्षीय उमर अब्दुल्ला की पहली शादी पायल नाथ से हुई थी। हालांकि, लंबे समय तक अलग रहने और लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद कुछ समय पहले ही दोनों के बीच औपचारिक तलाक हुआ था। वहीं, दूसरी ओर 48 वर्षीय पत्रकार निधि राजदान की भी यह दूसरी शादी है। इससे पहले उनका विवाह जाने-माने पत्रकार और लेखक नीलेश मिश्रा के साथ वर्ष 2005 में हुआ था, लेकिन निजी कारणों के चलते यह रिश्ता महज दो साल ही चल सका और 2007 में दोनों ने आपसी सहमति से तलाक ले लिया था। तलाक के बाद निधि ने अपना पूरा ध्यान अपने पत्रकारिता करियर पर केंद्रित कर रखा था।

कश्मीरी पंडित परिवार से नाता और पत्रकारिता का लंबा सफर भारतीय टेलीविजन पत्रकारिता का जाना-पहचाना नाम रहें निधि राजदान मूल रूप से कश्मीरी पंडित परिवार से तात्कूल रखती हैं। उनके पिता कृष्ण राजदान भी वरिष्ठ पत्रकार रह चुके हैं। निधि ने दिल्ली के प्रतिष्ठित लेडी श्रीराम कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद भारतीय जनसंचार संस्थान (IIMC) से पत्रकारिता की डिग्री हासिल की।

रविवार 01 नवम्बर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

यूक्रेन को अमेरिका देगा 500 पैट्रियट मिसाइलें, 2.1 अरब डॉलर के रक्षा सौदे को मंजूरी; जेलेंस्की ने आपूर्ति में देरी पर जताई चिंता



कोव (ए.)। रूस के साथ जारी युद्ध के बीच यूक्रेन की हवाई सुरक्षा मजबूत करने के लिए अमेरिका ने बड़ा कदम उठाया है। अमेरिकी सरकार ने यूक्रेन को करीब 2.1 अरब डॉलर की लागत से 500 पैट्रियट पीएसी–3 एमएसई अवरोधक मिसाइलें बेचने की मंजूरी दे दी है। इन मिसाइलों का इस्तेमाल रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों और अन्य हवाई हमलों को रोकने के लिए किया जा सकेगा। हालांकि, अमेरिकी मंजूरी के बावजूद इनकी आपूर्ति में संभावित देरी को लेकर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने चिंता जताई है। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय सहयोगी देशों से सर्दियों से पहले तत्काल सैन्य सहायता उपलब्ध कराने की अपील की है।

जेलेंस्की ने सामाजिक माध्यम मंच एक्स पर अमेरिकी फैसले का स्वागत करते हुए इसे यूक्रेन की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि 500 पैट्रियट अवरोधक मिसाइलों की आपूर्ति से देश की हवाई रक्षा क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है, लेकिन इनकी आपूर्ति शुरू होने में कई वर्ष लग सकते हैं। ऐसे में मौजूदा रूसी हमलों से निपटने के लिए यूक्रेन को तत्काल मिसाइलों की आवश्यकता है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस लगातार देश के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है। अक्टूबर के पिछले दो सप्ताह के दौरान रूस ने ऊर्जा सुविधाओं पर 30 से अधिक हमले किए हैं। इन हमलों में बिजली ग्रिड के महत्वपूर्ण हिस्सों को निशाना बनाया गया। इससे सर्दियों के दौरान बिजली, गर्म पानी और ताप व्यवस्था तथा पेयजल आपूर्ति बाधित होने का खतरा बढ़ गया है।

जेलेंस्की ने चेतावनी दी कि रूस सर्दियों की शुरुआत से पहले यूक्रेन की आवश्यक सेवाओं को नुकसान पहुंचाने की रणनीति पर काम कर रहा है। बिजली संयंत्रों, ताप आपूर्ति प्रणालियों, जल वितरण नेटवर्क और पुलों जैसे महत्वपूर्ण ढांचों पर हमलों का सीधा असर आम नागरिकों के जीवन पर पड़ सकता है। ऐसे में यूक्रेन के सामने केवल रूसी मिसाइलों को रोकने की चुनौती नहीं है, बल्कि सर्दियों में बुनियादी सेवाओं को सुचारु बनाए रखना भी बड़ी प्राथमिकता है।यूक्रेन ने सर्दियों के लिए प्रस्तावित सहायता योजना के तहत हर महीने औसतन 100 पैट्रियट अवरोधक मिसाइलों की मांग की है। जेलेंस्की का कहना है कि रूस के लगातार मिसाइल और हवाई हमलों को देखते हुए इतनी आपूर्ति आवश्यक है।

मनोरंजन

नवजात शिशु के माता-पिता हैं तो इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, होगा फायदा



नवजात शिशु के माता-पिता के लिए यह समय बहुत खास होता है। इस दौरान कई नई जिम्मेदारियां और चुनौतियां सामने आती हैं। सही जानकारी और सावधानी बरतने से आप अपने बच्चे की देखभाल बेहतर तरीके से कर सकते हैं। इस लेख में हम कुछ अहम बातें साझा करेंगे, जो आपको और आपके नवजात शिशु को स्वस्थ और खुश रखने में मदद करेंगी। इन सुझावों का पालन करके आप अपने बच्चे की देखभाल आसानी से कर पाएंगे।

बच्चे को मां का दूध पिलाएं

नवजात शिशु के लिए मां का दूध बहुत जरूरी है। यह न केवल उन्हें पोषण देता है, बल्कि उनकी रोगों से लड़ने की क्षमता को भी मजबूत बनाता है।

मां का दूध बच्चे को बीमारियों से बचाने में मदद करता है और उनका विकास भी सही तरीके से होता है।इसके अलावा यह मां और बच्चे के बीच का संबंध भी मजबूत करता है। इसलिए जन्म के तुरंत बाद से ही बच्चे को मां का दूध पिलाना शुरू करें।

साफ-सफाई का रखें ध्यान

बच्चे की सफाई बहुत जरूरी है। उनके हाथ-पैर और चेहरे को रोजाना साफ करें।इसके अलावा उनके कपड़े, बिस्तर और खिलौने भी साफ रखें ताकि बीमारियों का खतरा कम हो सके। नवजात शिशु की त्वचा बहुत नाजुक होती है, इसलिए उन्हें गुनगुने पानी से धोएं और मुलायम कपड़े का उपयोग करें।बच्चों को बीमारियों से बचाने के लिए उनके आसपास की जगह को साफ-सुथरा रखना जरूरी है। नियमित रूप से हाथ धोने की आदत डालें।

टीकाकरण कराएं

बच्चे को समय-समय पर टीकाकरण कराना बहुत जरूरी है ताकि वह विभिन्न बीमारियों से सुरक्षित रह सके। डॉक्टर द्वारा बताए गए सभी टीकों का पूरा कोर्स पूरा कराएं।इसके अलावा डॉक्टर की सलाह पर अन्य जरूरी जांच भी करवाएं। नवजात शिशु की रोगों से लड़ने की क्षमता बहुत कमजोर होती है, इसलिए

मस्कट(ए.)। पश्चिम एशिया में जारी अमेरिका–ईरान संघर्ष के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक जहाज एमटी लुईस–1 पर हमला हुआ है। हमले में जहाज को नुकसान पहुंचा और उसके इंजन कक्ष में आग लग गई। हालांकि, चालक दल के सदस्यों ने तत्परता दिखाते हुए कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। जहाज पर सवार सभी 27 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं।

यूनाइटेड किंगडम समुद्री व्यापार संचालन (यूकेएमटीओ) के अनुसार, यह घटना गुरुवार को

पोलैंड में सत्ता संघर्ष के बीच भड़की हिंसा, संवैधानिक न्यायाधिकरण के प्रमुख और उपाध्यक्ष निलंबित

राष्ट्रपति कारोल नवरोकी सेनेगल की यात्रा बीच में छोड़कर लौटे, प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क पर तत्त्वालपट की कोशिश के आरोप

वारसॉ (ए.)। इटली और फ्रांस समेत कई यूरोपीय देशों के बाद अब पोलैंड में भी राजनीतिक तनाव के बीच हिंसा भड़क उठी है। प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क और राष्ट्रपति कारोल नवरोकी के बीच सत्ता तथा न्यायपालिका के अधिकारों को लेकर टकराव बढ़ गया है। विवाद उस समय और गहरा गया, जब देश के संवैधानिक न्यायाधिकरण के प्रमुख बोगदान श्विएंत्सकोव्स्की और उपाध्यक्ष बार्टलोमीज सोचान्स्की को एक महीने के लिए निलंबित कर दिया गया। इस फैसले के विरोध में सैकड़ों लोग अदालत के बाहर जमा हो गए। हालात बिगड़ने की आशंका को देखते हुए बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों की नैनाती की गई।

घटना के समय राष्ट्रपति कारोल नवरोकी सेनेगल की यात्रा पर जा रहे थे। देश में तनाव बढ़ने की सूचना मिलते ही उन्होंने अपना विमान बीच रास्ते से ही वापस मोड़ दिया और पोलैंड लौटने का फैसला किया। उन्होंने सामाजिक माध्यम पर संदेश जारी कर कहा, ऐसे समय में राष्ट्रपति का पोलैंड में होना जरूरी है। मैं सेनेगल की अपनी यात्रा बीच में छोड़ रहा हूं और वापस लौट रहा हूं।

प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क पर तख्तापलट की कोशिश करने और संवैधानिक

विदेश समाचार

होर्मुज में जहाज पर हमले के बाद आग लगी; 27 भारतीय थे सवार, सभी सुरक्षित



ओमान के खासब से करीब 46 किलोमीटर उत्तर–पूर्व में हुई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, जहाज पर चिपकने वाली समुद्री बारूदी सुरंगों (लिम्पेट माईंस) से हमला किया गया था। हमले के कारण जहाज के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा और इंजन कक्ष में आग लग गई।

पोलैंड में सत्ता संघर्ष के बीच भड़की हिंसा, संवैधानिक न्यायाधिकरण के प्रमुख और उपाध्यक्ष निलंबित

राष्ट्रपति कारोल नवरोकी सेनेगल की यात्रा बीच में छोड़कर लौटे, प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क पर तत्त्वालपट की कोशिश के आरोप

संस्थाओं पर कब्जा करने के आरोप लगाए हैं। विवाद की तात्कालिक वजह संवैधानिक न्यायाधिकरण की न्यायाधीश अन्ना कोरविन–पियोट्रोव्स्का का फैसला है। उन्होंने न्यायाधिकरण के प्रमुख बोगदान श्विएंत्सकोव्स्की और उपाध्यक्ष बार्टलोमीज सोचान्स्की को निलंबित कर दिया। अन्ना ने घोषणा की कि अब से वह न्यायाधिकरण का कामकाज संभालेंगी। इस कदम से विपक्षी दलों में नाराजगी फैल गई और सरकार पर संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाया जाने लगा।

हालांकि, पोलैंड में न्यायपालिका को लेकर जारी विवाद नया नहीं है। न्यायाधिकरण में न्यायाधीशों की नियुक्ति और उसके कामकाज को लेकर वर्ष 2015 से ही राजनीतिक संघर्ष चल रहा है। यही विवाद राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के बीच टकराव का एक प्रमुख कारण बना हुआ है।

वर्ष 2015 में दक्षिणपंथी और राष्ट्रीय रूढ़िवादी दल कानून एवं न्याय पार्टी (पीआईएस) सत्ता में आया था। उस समय पार्टी ने संवैधानिक न्यायाधिकरण में न्यायाधीशों की नियुक्तियों की प्रक्रिया तेज कर दी थी, ताकि अदालत में उसका बहुमत स्थापित हो सके। इसके अलावा न्यायाधीशों

रिपोर्ट के अनुसार, 28 फरवरी को अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में पहली बार चिपकने वाली समुद्री बारूदी सुरंगों के इस्तेमाल से हमला किया गया है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के आंकड़ों के मुताबिक, संघर्ष शुरू होने से लेकर 27 अक्टूबर तक होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास के समुद्री क्षेत्र में 120 घटनाएं दर्ज की गई हैं।

इस बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में चार तेल टैंकरों में आग लग गई और उनमें विस्फोट भी हुए। ईरानी बलों के अनुसार, ये टैंकर कथित तौर पर निर्धारित और अधिकृत समुद्री

ईरान विदेश भेजेगा परमाणु भंडार, 7 दिन में खुलेगा होर्मुज; समझौते की कथित शर्तें आई सामने

तेहरान, (ए.)। ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत शुरू करने और युद्धविराम को लेकर नए समझौते से जुड़ी कुछ जानकारीयां सामने आई हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत के लिए एक शुरुआती मसौदा तैयार हो चुका है। इसमें प्रस्ताव है कि ईरान अपने समृद्ध यूरेनियम भंडार को किसी तीसरे देश में शिफ्ट कर सकता है या यूरेनियम संवर्धन स्तर को कम कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस रूपरेखा में दोनों पक्षों के बीच प्रारंभिक सहमति बनने के 7 दिनों के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का भी प्रस्ताव है।

प्रारंभिक प्रस्तावों के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत इस्तांबुल के बजाय दोहा में हो सकती है। वहीं, चीन किसी भी समझौते के कार्यान्वयन और दीर्घकालिक स्थिरता के लिए गारंटर के रूप में काम कर सकता है।

इस प्रस्ताव में ईरान और अमेरिका द्वारा पारस्परिक कदमों की परिकल्पना भी की गई है। इनमें परमाणु गतिविधियों और समुद्री सुरक्षा पर ईरानी उपायों के साथ-साथ प्रतिबंधों, नाकाबंदी और अन्य आर्थिक प्रतिबंधों को कम करने के लिए अमेरिका द्वारा परिभाषित कार्रवाई की जाएगी।

प्रस्ताव के तहत, एक स्वतंत्र सत्यापन तंत्र भी विकसित किया जाएगा, ताकि यह आकलन किया जा सके कि समझौते के हर चरण में दोनों पक्ष अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा कर रहे हैं या नहीं।खबर है कि अमेरिका ने पश्चिम एशिया में सैन्य मौजूदगी बढ़ाई है। पिछले एक हफ्ते में 10 से ज्यादा अमेरिकी सैन्य मालवाहक विमान इजरायल पहुंचे हैं।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी व्हाइट हाउस में अमेरिकी सेना के पश्चिम एशिया कमांडर एडमिरल ब्रैंड कूपर से मुलाकात की है।

मनोरंजन

तृषा कृष्णन बनेंगी जयललिता ? दिग्गज अभिनेता और नेता एमजीआर की बायोपिक पर बड़ा अपडेट



तमिल फिल्मों के दिग्गज अभिनेता और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमजी रामचंद्रन (एमजीआर) की ज़िंदगी पर फिल्म बनने जा रही है। फिल्म का नाम पुराणी थलाइवर एमजीआर रखा गया है। इसमें अभिनेत्री तृषा कृष्णन के दिवंगत नेता और पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता का किरदार निभाने की चर्चा है। अभिनेता जेएम बशीर ने खुलासा किया कि इस भूमिका के लिए तृषा से बातचीत चल रही है। हालांकि, अभी उनके नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अभिनेता जेएम बशीर ने बताया कि निर्माता तृषा के साथ जयललिता के रोल के लिए बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी की तृषा से अच्छी दोस्ती है और दोनों एक साथ फिल्म में काम भी कर रही हैं।बशीर के मुताबिक, अगर तृषा ये रोल करती हैं तो बहुत अच्छा रहेगा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने भरोसा जताया कि एमजीआर पर इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को बनाने में उनके सामने कोई बाधा नहीं है।बशीर ने थलापति विजय की तारीफ कर उन्हें भविष्य का संभावित प्रधानमंत्री बताया। उधर तृषा हमेशा से पर्दे पर जयललिता का किरदार निभाने को लेकर अपनी इच्छा जाहिर करती रही हैं।माल 2017 में फैंस से बातचीत के दौरान जब उनसे कल्पना चावला, जयललिता और मर्लिन मनरो में से एक चुनने को कहा गया तो उन्होंने जयललिता को चुना था।

दिलचस्प बात है कि तृषा और जयललिता दोनों ने चेन्नई के एक ही स्कूल चर्च पार्क से पढ़ाई की है।एमजीआर की इस बायोपिक में एम करुणानिधि और सीएन अनादुरई जैसे बड़े नेताओं के किरदार भी दिखेंगे, जिनकी कास्टिंग चल रही है।

रोजाना एक्सरसाइज नहीं कर पा रहे? ब्लड शुगर को नियंत्रित करने के लिए अपनाएं ये तरीके

ब्लड शुगर का असंतुलित स्तर मधुमेह का कारण बन सकता है, जो एक गंभीर बीमारी है। अगर आप रोजाना एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं तो इस स्थिति में आपका खान–पान काफी हद तक आपकी मदद कर सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बताते हैं, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद कर सकते हैं और मधुमेह के जोखिम को कम कर सकते हैं।

डार्क चॉकलेट का सेवन करें

डार्क चॉकलेट में मौजूद विशेष तत्व ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त डार्क चॉकलेट का सेवन इंसुलिन की क्षमता को सुधार सकता है। यह मधुमेह के लक्षणों को कम करने और हानिकारक तत्वों को कम करने में भी मदद कर सकता है।लाभ के लिए 70 प्रतिशत कोको युक्त डार्क चॉकलेट का सेवन करें। चॉकलेट का सेवन संतुलित मात्रा में करें।

दालचीनी भी है लाभदायक

दालचीनी एक ऐसा मसाला है, जो ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है। यह शरीर में इंसुलिन के प्रभाव को बढ़ाकर ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है।इसके अतिरिक्त दालचीनी में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो शरीर की सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। दालचीनी का उपयोग अपने रोजमर्रा के भोजन में शामिल कर सकते हैं।

एवोकाडो का करें सेवन



बशीर के मुताबिक ये फिल्म एमजीआर के सिनेमा से लेकर राजनीति तक के पूरे सफर को दिखाएगी।शूटिंग चेन्नई के रामपुरम में शुरू होने वाली है। हालांकि, फिल्म के निर्देशक और संगीतकार के नाम का ऐलान होना अभी बाकी है। पसुमपोन थेवर की बायोपिक के बाद बशीर का ये दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट है।

रामायण में शूर्पणखा क्यों बनीं रकुल प्रीत ? बोलीं- वो सिर्फ खलनायिका नहीं, उसे गलत समझा गया

नितेश तिवारी की आगामी फिल्म रामायण: राज्ञ आॅफ अ लेजेंड में अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा का किरदार निभाती नजर आएंगी। रकुल ने ये रोल चुनने की वजह बताते हुए कहा कि शूर्पणखा का किरदार काफी उलझा हुआ और गहराई से भरा है, जिसे अक्सर लोगों ने गलत समझा है। इतिहास में भले ही उन्हें सिर्फ एक घटना के लिए याद किया जाता हो, लेकिन इस चुनौतीपूर्ण किरदार के कई अलग–अलग पहलू भी हैं।

रकुल ने बताया कि भारतीय संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पेश करने का मौका मिलना उनके लिए इस फिल्म से जुड़ने की सबसे बड़ी वजहों में से एक था।

रकुल बोलीं, मेरे लिए इस फिल्म में सबसे ज्यादा रोमांचक 2 बातें थीं। पहली ये कि यह दुनिया के सामने भारत, हमारे इतिहास और हमारी सच्चाई का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली वैश्विक फिल्म है और दूसरी यह कि शूर्पणखा का किरदार काफी जटिल है। रकुल का कहना है कि रामायण में शूर्पणखा का किरदार काफी जटिल है और इसे अक्सर गलत समझा गया है। रामायण के युद्ध की शुरुआत वही वजह बनी थी, इसलिए इसके अलग–अलग रंगों को पर्दे पर जीना बहुत दिलचस्प रहा।

एवोकाडो में ऐसे तत्व होते हैं, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें मौजूद खास तत्व मधुमेह के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं।लाभ के लिए रोजाना सुबह खाली पेट एक एवोकाडो खाएं या फिर इसे अपनी किसी भी व्यंजन का हिस्सा बना सकते हैं। एवोकाडो के सेवन से आपको अन्य कई फायदे भी मिल सकते हैं।

नींबू पानी पिएं
नींबू पानी में विटामिन–सी, विशेष तत्व और खनिज होते हैं, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त नींबू पानी पाचन क्रिया को बेहतर बनाने, शरीर से हानिकारक तत्व बाहर निकालने और वजन नियंत्रित करने में भी मदद कर सकता है।लाभ के लिए रोजाना सुबह खाली पेट एक गिलास पानी में आधा नींबू निचोड़ें और उसमें थोड़ा शहद मिलाकर पिएं। नींबू पानी का सेवन आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है।

लहसुन भी है फायदेमंद

लहसुन में ऐसे गुण होते हैं, जो ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद कर सकते हैं। यह गुण इंसुलिन की क्षमता को सुधार सकता है और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।इसके अतिरिक्त लहसुन के सेवन से कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित किया जा सकता है।लाभ के लिए रोजाना खाली पेट एक लहसुन की कली खाएं। लहसुन का सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।



राज्यपाल डेका ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उन्हें किया नमन।

गोट बचाओ-देश बचाओ रैली में शामिल होने छत्तीसगढ़ से 25 बसों में कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली रवाना

रायपुर,(आरएनएस)। दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को आयोजित होने वाली कांग्रेस की ‘वोट बचाओ-देश बचाओ’ रैली में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ से कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दिल्ली रवाना होने का सिलसिला शुरू हो गया है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब 25 बसों के अलावा ट्रेन और हवाई मार्ग से भी कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता दिल्ली पहुंच रहे हैं।

राजधानी रायपुर के बीटीआई मैदान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, प्रभारी सचिव विजय जांगिड़ और प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैटू ने हरी झंडी दिखाकर 15 बसों को रवाना किया। इसके अलावा कोरबा, जांजगीर-चांपा, संकी, बालोद और राजनांदगांव सहित अन्य जिलों से भी बसों के जरिए कार्यकर्ता दिल्ली के लिए रवाना हुए।

प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने बताया कि रैली में प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं के शामिल होने की तैयारी है। इनमें वाई स्तर के जनप्रतिनिधियों से लेकर पूर्व सांसद, पीसीसी और एआईसीसी प्रतिनिधि, बूथ स्तर के कार्यकर्ता तथा विभिन्न मोर्चा-प्रकोष्ठों के पदाधिकारी शामिल होंगे।

शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस यह रैली निष्पक्ष चुनाव, मतदान के अधिकार और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता के मुद्दे पर आयोजित कर रही है।

त्योहारी सीजन में खाद्य विभाग की छापेमारी, तीन प्रतिष्ठानों से लिए नमूने

रायपुर,(आरएनएस)। त्योहारी सीजन में मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने और आम लोगों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने खाद्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ जांच अभियान तेज कर दिया है। शनिवार को विभाग की टीम ने शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। वहीं अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य सामग्री का निर्माण पाए जाने पर भनपुरी स्थित श्री अन्नपूर्णा एग्री को खाद्य अनुज्ञप्ति तीन दिनों के लिए निलंबित कर दी गई।खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के निरंत्रक दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा टीम ने मैग्नेटो मॉल स्थित केएफ्सी से राइस बॉल का नमूना संग्रहित किया। इसी तरह न्यू राजेंद्र नगर स्थित अग्रवाल मिठाईवाला से पूजा पेड़ा और डोडा बर्फी के नमूने जांच के लिए लिए गए।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर जाजगीर में निकली एकता दौड़, दिया एकजुटता का संदेश



जांजगीर-चांपा, (आरएनएस)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को राष्ट्रीय एकता दिवस के तहत जांजगीर जिला मुख्यालय में एकता दौड़ का आयोजन किया गया। जांजगीर-चांपा पुलिस द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कलेक्टर जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय, पूर्व सांसद कमला देवी पाटले सहित जनप्रतिनिधियों, पुलिस अधिकारियों, गणमान्य नागरिकों और स्कूली विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एकता दौड़ के माध्यम से देश की एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश दिया गया। सुबह 7 बजे नेताजी चौक से एकता दौड़ का शुभारंभ हुआ। इसमें शामिल प्रतिभागी कचहरी चौक होते हुए मुख्य मार्ग से हाईस्कूल मैदान के सामने स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल गार्डन पहुंचे।

दीपावली-छठ पर रेलवे की खास तैयारी, 3 ट्रेनों के प्लेटफार्म बदले; 7 पैसेंजर ट्रेनों में बढ़ेंगे कोच



- 58201 बिलासपुर-रायपुर पैसेंजर
- 58202 रायपुर-बिलासपुर पैसेंजर
- 58207 रायपुर-जुनागढ़ रोड पैसेंजर
- 58208 जुनागढ़ रोड-रायपुर पैसेंजर
- 58204 रायपुर-कोरबा पैसेंजर
- 58205 रायपुर-इतवारी पैसेंजर
- 58206 इतवारी-रायपुर पैसेंजर

रेलवे के इस फैसले से दीपावली और छठ पूजा के दौरान सफ़र करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सीटों की सुविधा मिलने की उम्मीद है। खासकर सामान्य श्रेणी में यात्रा करने वाले और छोटे स्टेशनों से ट्रेन पकड़ने वाले यात्रियों को इसका लाभ मिलेगा। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले प्लेटफ़ॉर्म और ट्रेन संबंधी जानकारी की पुष्टि करने की अपील की है।

विधायक अबिका मरकाम के जन्मदिन पर उमड़ा जनसैलाब, दिनभर चला बधाई देने का सिलसिला

नगरी,(आरएनएस)। सिहावा विधानसभा क्षेत्र की विधायक अबिका मरकाम का जन्मदिवस 30 अक्टूबर को वनडोब्लस और आत्मवीरता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से देर शाम तक बधाई देने वालों का ताता लगा रहा। क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और क्षेत्रवासी समारोह में पहुंचे और विधायक को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

समारोह में धमतरी विधायक ऑंकार साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अबिका मरकाम को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके स्वस्थ, सुखमय और दीर्घायु जीवन की कामना की। जन्मदिवस के अवसर पर मंदिरों में पूजा-अर्चना के साथ दिन की शुरुआत हुई। इसके बाद बच्चों के साथ खुशियां साझा की गई और केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। विभिन्न गांवों से पहुंचे कलाकारों और सांस्कृतिक दलों ने आकर्षक प्रस्तुतियां देकर समारोह में उत्साह का माहौल बनाया। आयोजन में जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमटी के पदाधिकारियों सहित महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, कांग्रेस सेवादल, किसान कांग्रेस और पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

खेल समाचार

फ़ैक्टर के कारण मार्टिन मलेशियाई जीपी से बाहर, एलेक्स मार्केज ने हासिल की पोल पोजीशन

सेपांग (आरएनएस)। जॉर्ज मार्टिन मलेशियाई ग्रां प्री से बाहर हो गए हैं। वह यहां सेपांग इंटरनेशनल सर्किट में रेस करने वाले थे। ऑस्ट्रेलिया के इस राइडर ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियन ग्रां प्री स्प्रिंट के दौरान कलाई में फ़ैक्टर होने की वजह से इस वीकेंड की रेस से अपना नाम वापस ले लिया है। स्प्रिंट के दौरान क्रेश में कलाई टूटने के महज छह दिन बाद, वह शुक्रवार को प्रैक्टिस सेशन में शामिल हुए थे। मोटोजीपी ने एक बयान में कहा, उन्होंने असधारण कोशिश की, लेकिन अब यह पक्का हो गया है। जॉर्ज मार्टिन (ऑस्ट्रेलिया रेसिंग) मलेशियाई जीपी में रेस नहीं कर पाएंगे। ऑस्ट्रेलिया में कलाई टूटने के सिर्फ छह दिन बाद 2024 के चैंपियन और 2026 के खिताब के दावेदार शुक्रवार को सेपांग में ट्रैक पर लौटे। उन्होंने सुबह के सेशन में 12 लैप पूरे किए और दोपहर में भी कुछ लैप लगाए, जिसके बाद वह जल्दी वापस लौट गए ताकि शनिवार के लिए खुद को तैयार कर सकें। बयान में आगे कहा गया, दुर्भाग्य से, क़ालीफाईंग से पहले एफपी2 सेशन में ट्रैक पर कुछ और समय बिताने के बाद यह पुष्टि हो गई कि मार्टिन इस इवेंट से बाहर हो गए हैं। मार्टिन अब रेस से दूर रहेंगे और अगली बार वापसी की कोशिश करेंगे। इस बीच, क़ालीफाईंग के दौरान एलेक्स मार्केज ने अपने बड़े भाई मार्क मार्केज से पोल पोजीशन छीन ली है।

एलेक्स मार्केज (बीके8 ग्रेसीनी रेसिंग मोटोजीपी) ने 1:56.493 का शानदार लैप समय निकाला और शनिवार सुबह पी1 हासिल किया, जबकि वर्ल्ड चैंपियनशिप में सबसे आगे चल रहे मार्क मार्केज (डुकाटी लेनोवो टीम) पीछे रह गए। मुकाबला क़ाफी कड़ा रहा, क्यू2 में दोनों के बीच सिर्फ 0.070 सेकंड का अंतर था। पेड्रो अकोस्टा (रेड बुल केटीएम फ़ैक्ट्री रेसिंग) तीसरे स्थान पर रहे, जबकि आई ओपुरा चौथे स्थान पर रहे। उनके पीछे खिताब के एक और दावेदार मार्को बेजेची रहे।

मार्टिन की बात करें तो, मलेशियाई जीपी से पहले वह चैंपियनशिप में सबसे आगे चल रहे मार्केज से 10 अंक पीछे थे। उन्हें शुक्रवार सुबह के सेशन में हिस्सा लेने की अनुमति मिली थी, और बाद में पूरे वीकेंड की रेस के लिए भी मंजूरी दे दी गई थी। स्पेनिश राइडर एफपी1 में क़ाफी पीछे, 20वें स्थान पर रहे। उन्होंने अपनी बाइक पर 12 लैप पूरे किए, और फिर दोपहर की प्रैक्टिस में कुछ लैप पूरे करने के बाद 21वें स्थान पर रहे। ऐसा लग रहा है कि चैंपियनशिप की लड़ाई अब इस स्पेनिश राइडर की पकड़ से दूर होती जा रही है, क्योंकि वह सेपांग इंटरनेशनल सर्किट स्प्रिंट या रविवार की रेस में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

जुरेल और पड़्किल की बढ़ौलत इंडिया ए ने पहले दिन की समाप्ति पर बनाए 7 विकेट पर 291 रन

क्राइस्टचर्च (आरएनएस)। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट की शुरुआत शनिवार को हुई। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक भारतीय टीम ने 7 विकेट पर 291 रन बना लिए थे। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत एक बार फिर खराब रही। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बिना खाता खोले आउट हो गए। साई सुदर्शन और देवदत्त पड्डिकल ने दूसरे विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी की। सुदर्शन 41 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पड्डिकल ने यश राठौड़ के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 रन जोड़ टीम का स्कोर 131 रन तक पहुंचाया। इस स्कोर पर राठौड़ तीसरे विकेट के रूप में 13 रन बनाकर आउट हुए। देवदत्त पड्डिकल ने 80 रन की शानदार पारी खेली। 140 गेंदों की पारी में पड्डिकल ने 12 चौके लगाए। वह चौथे विकेट के रूप में 137 के स्कोर पर आउट हुए। स्मरण रविचंद्रन भी इसी स्कोर पर बिना खाता खोले आउट हो गए। वाशिंगटन सुंदर 8 रन बनाकर आउट हुए।

160 पर 6 विकेट गंवा चुकी भारतीय टीम को कप्तान ध्रुव जुरेल ने संभाला। जुरेल ने मानव सुथार (22) के साथ सातवें विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 222 तक पहुंचाया। इसके बाद जुरेल, आकाशदीप (25) के साथ नाबाद 69 रन जोड़ चुके हैं।पहले दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने 7 विकेट के नुकसान पर 291 रन बना लिए हैं। कप्तान जुरेल अपने शतक से मात्र 1 रन दूर हैं। जुरेल 155 गेंदों पर 11 चौकों और 3 छकों को मदद से 99 रन पर नाबाद हैं।

भारत vs न्यूजीलैंड: अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी के साथ कैसे हुई नाइंसाफी ? युवराज ने चयनकर्ताओं पर उठाए सवाल



नई दिल्ली (आरएनएस)। युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी को वनडे टीम में नियमित मौके देने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को 50 ओवर के क्रिकेट से दूर रखना उनकी क्षमता के साथ न्याय नहीं है। वहीं, अभिषेक ने 12 गेंदों में अर्धशतक बनाने को आसान नहीं बताया।पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी को वनडे टीम में नियमित मौके नहीं मिलने पर सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि इन युवा बल्लेबाजों की प्रतिभा के साथ न्याय करने के लिए उन्हें 50 ओवर के क्रिकेट में भी पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए। युवराज ने अभिषेक की जमकर तारीफ की और कहा कि उन्होंने जो कुछ हासिल किया है, वह अपनी मेहनत के दम पर किया है।

वनडे टीम में जगह नहीं मिलने पर युवराज ने क्या कहा ?

युवराज सिंह ने पीटीआई से बातचीत में कहा

वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट में बांग्लादेश को आठ विकेट से हराया, दो मैचों की सीरीज में बनाई 1-0 की बढ़त



मीरपुर,(ए.)। वेस्टइंडीज ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन बांग्लादेश को आठ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज ने दो मैचों की आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। जीत के लिए मिले 170 रन के लक्ष्य को वेस्टइंडीज ने जॉन कैंपबेल और ब्रैंडन किंग की आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। किंग 81 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि केवम हॉज ने उनका अच्छा साथ दिया। कैंपबेल ने 49 रन बनाए, जबकि हॉज 31 रन बनाकर नाबाद रहे। इस जीत से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में भी बदलाव हुआ है। बांग्लादेश 47.62 प्रतिशत अंकों के साथ एक स्थान नीचे खिसक कर पांचवें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि भारत 51.52 प्रतिशत अंकों के साथ

प्रतिभा के साथ न्याय नहीं कर रहे हैं।

हालांकि, युवराज ने यह भी स्वीकार किया कि भारतीय टीम में कई अनुभवी और बेहतरीन खिलाड़ी मौजूद हैं। ऐसे में युवा खिलाड़ियों के लिए टीम में जगह बनाना आसान नहीं होता। उन्होंने उम्मीद जताई कि मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए इन खिलाड़ियों को जल्द ही टीम में मौका मिल सकता है। अभिषेक को लेकर उन्होंने कहा, उसने जो कुछ भी हासिल किया है, वह उसकी मेहनत का नतीजा है। इसका पूरा श्रेय उसे जाता है। युवराज सिंह पिछले कई वर्षों से अभिषेक शर्मा के मार्गदर्शक रहे हैं। अभिषेक उन्हें अपना गुरु मानते हैं और समय-समय पर उनसे बल्लेबाजी को लेकर सलाह लेते रहे हैं। दोनों पंजाब से आते हैं। युवराज ने अपने करियर में टी20 क्रिकेट के शुरुआती दौर में ही वैश्विक पहचान बनाई थी। 2007 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ युवराज ने स्ट्रुअर्ट ब्रांड के एक ओवर में छह छक्के जड़े थे। उन्होंने महज 12 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था। यह आज भी

किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक है।

अभिषेक ने 35 गेंदों में जड़ा था शतक

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरे टी20 मुकाबले में अभिषेक शर्मा ने युवराज के इस रिकॉर्ड के करीब पहुंचने की कोशिश की थी। उन्होंने 15 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और फिर 35 गेंदों में शतक जड़ दिया। उनकी इस पारी की बढ़ौलत भारत ने छह विकेट से जीत दर्ज की। अभिषेक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अभिषेक के अर्धशतक के बाद युवराज ने सोशल मीडिया पर मजाकिया अंदाज में लिखा था, तुम अब भी 12 गेंदों में 50 रन नहीं बना सकते, है न ? लगता है दो बाएं हाथ के बल्लेबाज अपने घर के मैदान पर खेल रहे हैं। इस पर अभिषेक ने कहा कि 12 गेंदों में अर्धशतक बनाना बिल्कुल आसान नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि उस समय वह किस तरह की क्रिकेट खेल रहे थे, लेकिन यह बिल्कुल आसान नहीं है।

ध्रुव जुरेल शतक से 1 रन दूर, भारत ए ने पहले दिन सात विकेट पर बनाए 291 रन



क्राइस्टचर्च, (ए.)। ध्रुव जुरेल और देवदत्त पड्डिकल की शानदार पारियों की बढ़ौलत भारत ए ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन सात विकेट पर 291 रन बना लिए। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में शनिवार को दिन का खेल समाप्त होने तक कप्तान जुरेल 99 रन बनाकर नाबाद थे, जबकि पड्डिकल ने 80 रन की अहम पारी खेली टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ए की टीम को फ्रेजर शीट ने पहले ही ओवर में सफ़तात दिलाई। उन्होंने यशस्वी जायसवाल को चार गेंदों पर बिना खाता खोले पगबाधा आउट कर दिया। इसके बाद साई सुदर्शन और पड्डिकल ने पारी को संभाला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी कर भारत ए को शुरुआती झटके से उबार। भारतीय टीम ने लंच तक एक विकेट पर 87 रन बना लिए थे।लंच के बाद दूसरे ओवर में जारोड मैके ने सुदर्शन को मिशेल हे के हाथों कैच कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। सुदर्शन ने 63 गेंदों पर 41 रन बनाए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए यश राठौड़ 13 रन बनाकर ब्रेट टैंडेल की गेंद पर हे को कैच दे बैठे। इस समय भारत ए का स्कोर 131 रन पर तीन विकेट था।पड्डिकल ने एक छोर संभाले रखा और 12 चौकों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि, वह 80 रन के निजी स्कोर पर शीट की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद शीट ने लगातार दो झटके देकर भारत ए की मुश्किलें बढ़ा दीं।

D-11158/26